हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 16.0 डिग्री

11 बच्चों को अनुशासन और नैतिकता का दिया संदेश

11 तहसीलदार, नायब तहसीलदार और रजिस्ट्री क्लर्क.....

खबर संक्षेप

फसल अवशेष जलाने पर दो के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। उचाना थाना पुलिस ने दो किसानों पर धान के अवशेष जलाने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में कृषि विभाग के एटीएम सुखबीर सिंह ने बताया कि 29 अक्टूबर को उचाना खुर्द निवासी मनदीप व सुभाष ने अपने खेतों में धान के अवशेषों में आग लगा दी है।

गांव पाई में मारपीट में एक व्यक्ति घायल

कैथल। गांव पाई में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव सेगा के आदेश पुरी ने पूंडरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 31 अक्टूबर को जब वह रात के करीब 10:00 बजे गांव पाई से गुजर रहा था तो अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसका रास्ता रोकते हुए उसके साथ मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

बंद फैक्टरी से लाखों रुपये का सामान चोरी

जींद। नरवाना स्थित एक बंद फैक्टरी से लाखों रुपये का सामान चोरी होने पर पुलिस ने फैक्टरी मालिक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नरवाना शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में माडल टाउन निवासी वैभव ने कहा कि उसकी जींद रोड पर भूसा काटने का टोका बनाने की फैक्टरी है।

कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल

कैथल। कस्बा गुहला में गाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव पोलड के रणजीत ने गुहला पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 अक्टूबर को जब वह गुहला के ढाबा पेट्रोल पंप के निकट से जा रहा था तो एक अज्ञात कर चालक ने उसे अपनी चपेट में लेकर घायल कर दिया।

पौली से 11 वर्षीय किशोर लापता, शिकायत दर्ज

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के गांव पौली गांव से एक नवंबर की रात को 8 वीं कक्षा का छात्र घर से लापता हो गया। इसकी शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू दी है। पौली गांव निवासी सुरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 1 नवंबर की रात को उसका 11 वर्षीय लड़का वीर सिंह उर्फ गौतम घर से अचानक लापता हो गया। रिश्तेदारियों में तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नही लगा।

हजारों की नकदी व मोबाइल चुराया

कैथल। कस्बा सीवन चोर एक मकान से हजारों रुपये की नकदी तथा चांदी के जेवरात चुरा कर ले गए। कस्बा सीवन की डीएवी कॉलोनी के मुस्कान ने सीवन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो नवंबर को चोर उनके घर में घुसकर वहां पर रखी हजारों रुपए की नकदी, मोबाइल तथा साढे सात तोले चांदी चुरा कर ले गए।

आरोपितों से चोरी की तीन बाइक बरामद

कैथल। जिला पुलिस द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ ने दो मामलो में 2 आरोपितों को काबू कर 3 चोरी शुदा बाइक बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई जयभगवान की टीम द्वारा आरोपी राजौंद निवासी रोहित उर्फ चील्लू को काबू कर लिया गया।

6.190 किलोग्राम गांजा फूल पत्ती सहित दो आरोपित दबोचे

कैथल। सीआईए 1 पुलिस द्वारा 2 नशा तस्करों को 6 किलो 190 ग्राम गांजा फूल पत्ती सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए 1 पुलिस प्रभारी एस.आई. जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई रघुबीर सिंह की टीम सायंकालीन गस्त दौरान बस अड्डा मुंदडी पर मौजूद थी।

एक्यूआई 327, बना सांस-दमे के रोगियों के लिए परेशानी

जहरीली हवा से नहीं मिल रही जींद वासियों को राहत

चिकित्सकों ने दी मास्क पहनने की सलाह

सुबह व शाम बढ़ रहा वायु प्रदूषण, अस्पताल में बढ़ी सांस के रोगियों की ओपीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला में वायु प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सुबह व शाम को वायु प्रदूषण सबसे अधिक रह रहा है। जो आमजन के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। जिले का एक्यूआई स्तर सोमवार को 327 दर्ज किया गया है। यह अस्थमा, एलर्जी और दिल के मरीजों के बेहद खतरनाक होता जा रहा है। इसलिए चिकित्सक भी घर से बाहर न निकलने की सलाह दे रहे हैं वहीं बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करना भी बेहद जरूरी है। क्योंकि बाहर खुले में सांस के माध्यम से धूल और धुएं के कण अंदर जा रहे हैं। जिससे सांस और दिल के मरीजों के लिए नुकसानदेह है। एक्यूआई स्तर बढने से नागरिक अस्पताल में भी अस्थमा, एलर्जी और चर्म रोग से पीड़ित लोगों की संख्या बढने लगी है। प्रतिदिन आने वाले हर 100 मरीजों में से कम से कम 30 मरीज ऐसे सामने रहे हैं, जिन्हें अस्थमा, एलर्जी और चर्म रोग संबंधित शिकायत है। चिकित्सकों का मानना है कि एलर्जी और अस्थमा के रोगियों की तादाद में वृद्धि का बड़ा कारण बढ़ रहा वायु प्रदूषण भी है। इस समय दिन के समय गर्मी व शाम व सुबह के समय तापमान में कमी आमजन के लिए परेशानी है। मौसम में बदलाव से सांस की बीमारी, एलर्जी, सर्दी, खांसी, जुखाम, फीवर के मरीज बढ़ गए हैं। सोमवार को नागरिक अस्पताल में ओपीडी दो हजार के आसपास रही है। इनमें प्रतिदिन एलर्जी के मरीज 80 से 90, वायरल बुखार के 150 से 200 के बीच पहुंच रहे हैं। दीपावली के बाद से मरीजों की संख्या में इजाफ 30 प्रतिशत तक बढ़ गया है। इसके अलावा अस्थमा के मरीज भी अस्पताल में जांच करवाने के लिए पहुंच रहे हैं। जिन्हें चिकित्सकों द्वारा मास्क लगाने की सलाह दी जा रही है। विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिल रही है। जबकि एक्यूआई बढने से पहले मरीजों की इतनी भीड़ नही होती थी।

जींद। सुबह के समय धुंधला हुआ मौसम। फोटो :हरिभूमि

जींद। फिजिशियन के कमरे के बाहर लगी मरीजों की भीड़। फोटो :हरिभूमि

तुरंत चिकित्सक को दिखाएं

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि अगर दो से तीन दिन में बुखार ठीक न हो रहा हो या खांसी भी रुक नहीं रही हो तो सेल्फ मेडिसिन न लें। तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। बुखार, सर्दी, खांसी होने पर अपने मन से एंटीबायोटिक्स न लें। ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, अस्थमा, हार्ट पेशेंट, किडनी फेलियर समेत अन्य बीमारी से ग्रसित मरीजों को इंफेक्शन से बचने के लिए ज्यादा ध्यान रखना चाहिए।

खांसी होने पर गुनगुना पानी पिएं

नागरिक अस्पताल की फिजिशियन डा. विनिता ने बताया कि अस्थमा रोगियों के लिए तो यह वायु प्रदूषण जहर के बराबर है। अस्थमा रोगियों को पहले ही सांस लेने में परेशानी आती है, वायु प्रदूषण अधिक होने से उनको और ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ता है। वायु प्रदूषण की अधिकता को देखते हुए लोगों को मास्क लगाने का सुझाव दिया है। मास्क लगाने से कुछ हद तक बचा जा सकता है। इस समय हवा प्रदूषित है। जिससे सांस के रोगियों की ओपीडी 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। ऐसे में ठंडा पानी, मिर्च मसालेदार खाद्य सामग्री का सेवन बिल्कुल नही करना चाहिए। जुखाम, खांसी होने पर गुनगुना पानी पिएं। छींकते और खांसते समय मुंह पर कपड़ा अवश्य रखें। घर में किसी को वायरल है तो छोटे बच्चों को उससे दूर रखें। गला खराब हो तो तुरंत विशेषज्ञ की सलाह लें। इसके अलावा इस मौसम में हृदय रोगी विशेष सावधानी बरतें।

पराली जलाने पर तुरंत करवाएं एफआईआर दर्ज, ठोके जुर्माना

उपायुक्त ने पराली प्रबंधन को लेकर अधिकारियों की बैठक ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीसी प्रीति ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण को रोकना हम सबकी सांझी जिम्मेदारी है। सभी संबंधित अधिकारी अलर्ट मोड पर कार्य करते पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगवाएं। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पराली जलाने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज करें, उसने नियमानुसार जुर्माना वसूले और राजस्व रिकार्ड में रेड एंट्री करवाएं। डीसी प्रीति लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में पराली प्रबंधन को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक ले रहीं थीं। डीसी ने एसडीएम, डीडीए, बीडीपीओ को निर्देश दिए वे अपने-अपने एरिया के एसएचओ के साथ समन्वय स्थापित करें और शाम के समय गश्त बढ़ाने के लिए कहें। साथ ही गांव स्तर पर बनाए गए नोडल अधिकारियों को एक्टिव रखें। जो नोडल अधिकारी ड्यूटी में लापरवाही बरतता है, उसके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करें। साथ ही ग्राम सचिव और पटवारी में से हर रोज एक अधिकारी गांव में जरूर रहे और निगरानी रखें।

पराली जलाने की घटनाएं कम हुई

कृषि विभाग के उपनिदेशक डा. सुरेंद्र यादव ने डीसी प्रीति को अवगत करवाया कि इस बार अब तक हरसेक के माध्यम से 18 एएफएल (पराली जलाने की घटना) रिपोर्ट हुए हैं। इन पराली जलाने के घटनाओं का सत्यापन करने के लिए कृषि विभाग अधिकारियों द्वारा मौके का दौरा किया, जिनमें से केवल छह सही पाई गई। तीन मामलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। अन्य तीन मामलों में भी जल्द एफआईआर दर्ज हो जाएगी। इसके साथ ही जुर्माना भी वसूल किया गया है। इस बार पराली जलाने की घटनाएं पिछले साल की अपेक्षा काफी कम है।इस अवसर पर कैथल एसडीएम अजय सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डा. सुरेंद्र यादव, डिप्टी सीईओ सुमित मौजूद रहे।

पांच और डेंगू पॉजिटिव व एक चिकनगुनिया की मिली रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मौसम परिवर्तन के साथ ही स्वास्थ्य विभाग को लगातार डेंगू पॉजिटिव की रिपोर्ट मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग को पांच और डेंगू पॉजिटिव तथा एक चिकनगुनिया की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। जिसके चलते जिला में डेंगू का आंकडा 69 पर पहुंच गया है। वहीं अबतक चिकनगुनिया के दस तथा मलेरिया के दो मामले स्वास्थ्य विभाग को मिल चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग को जो रिपोर्ट मिली है उसमें 58 वर्षीय महिला, 55 वर्षीय पुरूष, 50 वर्षीय महिला, रोजला का 20 वर्षीय युवक व ओमनगर की सात वर्षीय बच्ची शामिल है। डेंगू की रिपोर्ट मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने आसपास क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। जिला स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की 250 से अधिक टीमें फील्ड में हैं। जो लगातार आमजन को मौसमी बीमारियों के प्रति जागरूक कर रही है साथ ही बुखार पीड़ितों के सैंपल भी ले रही है। जिला मलेरिया अधिकारी डा. बिजेंद्र ढांडा ने बताया कि बताया कि स्वास्थ्य विभाग डेंगू व मलेरिया की जांच मुफ्त करता है। लोगों को लगातार मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक किया जा रहा है। जहां भी लार्वा मिला है, वहां मौके पर ही नष्ट किया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीमें बुखार पीड़ितों की लगातार स्लाइडें बना रही हैं। आमजन को चाहिए कि वो स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

डेंगू का आंकडा 69 पहुंचा चिकनगुनिया के दस केस

सड़क हादसे में दो भाइयों सहित चार की मौत

दोनो मामलो में ट्रैक्टर चालक ने मोटरसाइकिल को चपेट में लिया

करनाल निवासी भीम सिंह ने दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सदर थाना सफीदों पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए दो भाइयों की मौत होने पर वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कुडलान करनाल निवासी भीम सिंह ने सदर थाना सफीदों पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव डिडवाडा निवासी सतीश ट्रैक्टर को गांव डिडवाडा में लापरवाही से चला रहा था। इसी के चलते बाइक सवार उसके बेटे सौरभ व विजय को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने भीम सिंह की शिकायत पर सतीश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

शवों का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंपा

जींद। उचाना पेट्रोल के पास ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर उचाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने सोमवार को मृतकों के शवों का नरवाना अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। उचाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव उचाना खुर्द निवासी रिषि (32) व 17 वर्षीय अरुण मोटरसाइकिल पर उचाना मंडी से अपने गांव उचाना खुर्द की तरफ आ रहे थे। जैसे ही पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो पराली से भरे हुए ट्रैक्टर ट्राली के साथ टक्कर लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास लोगों द्वारा दोनों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल नरवाना के शव गृह में रखवाया। सोमवार को पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिकार्ड में मिली अनियमिता, होगी कार्रवाई

यूरिया व खाद की अवैध स्टॉक की सूचना पर सीएम फ्लाइंग की छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीएम फ्लाइंग ने यूरिया व खाद की अवैध स्टॉक किए जाने की सूचना पर नरवाना कोर्ट रोड स्थित शुभम फर्टिलाइजर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम को अनियमितताएं मिली। जिस पर कृषि विभाग द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीएम फ्लाइंग को सूचना मिली थी कि जिला में यूरिया व डीएपी खाद की अवैध स्टॉकिंग की जा रही है। जिस पर टीम ने सीएम फ्लाइंग के उप निरीक्षक बिजेंद्र सिंह व सहायक उप निरीक्षक कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में नरवाना कोर्ट रोड स्थित शुभम फर्टिलाइजर पर छापेमारी की। छापामार टीम में कृषि विभाग से एसडीओ सुनील कुमार भी शामिल हुए। जांच में सामने आया कि यूरिया के बैग 50 कम पाए गए। जबकि एमओपी की मात्रा सही मिली। वहीं टीएसपी के 72 बैग मिले जबकि डिस्पले 110 किए गए थे। 38 बैग कम मिले। इसी तरह एपीएस के पांच कम, एनपीके के 19 बैग कम मिले। जिस पर सीएम फ्लाइंग ने रिपोर्ट तैयार कर कृषि विभाग के अधिकारियों को सौंप दी है। अब आगामी कार्रवाई कृषि विभाग द्वारा अमल में लाई जाएगी। सीएम फ्लाइंग के उप निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि शुभम फर्टिलाइजर रिकार्ड में अनियमितता मिली है। जिस पर रिपोर्ट बना दी गई है। आगामी कार्रवाई कृषि विभाग करेगा।

जींद। जांच करते सीएम फ्लाइंग टीम। फोटो :हरिभूमि

धान खरीद न होने पर नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद अनाज मंडी में धान की खरीद बंद होने से आढती व किसानों और मजदूरों ने रोष प्रकट किया है। आढती भीम सिंह व जोनी राणा ने बताया कि 30 अक्टूबर के बाद यहां खरीद नहीं हो रही जबकि 3000 कट्टे मंडी में अभी भी पड़े हैं। कहा कि हैफेड खरीद एजेंसी के अधिकारी जानबूझकर यहां खरीद नहीं करवा रहे, जबकि असंध व कैथल में सोमवार को भी वेयर हाउस द्वारा खरीद की गई है। राजौंद अनाज मंडी आढती एसोसिएशन के प्रधान भीम सिंह बिंदो ने बताया कि इस बारे उन्होंने उच्च अधिकारियों से भी बात की थी।

राजौंद। अनाज मंडी में रोष प्रकट करते आढती किसान व मजदूर।

रखवाली करनी पड़ रही

गांव बीर बांगड़ा के किसान सतीश ने बताया कि वह दो ट्राली धान लेकर 30 अक्टूबर को यहां मंडी में आया था और उसका पास भी कटा हुआ है। लेकिन उसके बावजूद भी चार दिनों से उसकी धान की खरीद नहीं हो रही। उसने बताया कि उसने अपनी गेहूं की बिजाई भी करनी है और वह मंडी अपनी धान की फसल के पास रखवाली कर रहा है। इसके अलावा बिहारी मजदूरों ने बताया कि 40 के लगभग मजदूर यहां है रूके हुए।इन्हें कोई काम नहीं है, चार दिन से खाली बैठे हैं जिन आढ़तियों के पास धान पड़ी है वह उनका हिसाब नहीं कर रहे। क्योंकि धान जब तक नहीं बिकती आढती हिसाब नहीं करते।जबकि बिहार में 6 नवंबर को चुनाव हो रहे हैं जहां उन्होंने मतदान करने के लिए जाना है और अपना वोट डालना हैं। लेकिन वह पिछले 4 दिन से यहां खाली बैठे अपने खर्च करके यहां रात दिन बताने को मजबूर हैं। सभी ने प्रशासन व सरकार से मांग की है कि जितनी धान अनाज मंडी में पड़ी है इसे खरीद कर उन्हें राहत पहुंचाई जाए।

सभी तहसीलों में पेपरलेस रजिस्ट्री की प्रक्रिया प्रारंभ

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिया प्रदेशवासियों को तोहफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत जिले की तहसीलों में अब संपत्ति की रजिस्ट्री का काम पूरी तरह से पेपरलेस (कागज रहित) और ऑनलाइन हो गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कैथल सहित सभी प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस पर बड़ा तोहफा दिया है। इस डिजिटल पहल से नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी और रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी। जमीन की रजिस्ट्री के लिए अब लोगों को तहसीलों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। वे पूरी प्रक्रिया की जानकारी हासिल कर घर से ही आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद निश्चित समय पर तहसील पहुंच कर अपनी जमीन की रजिस्ट्री करवा सकेंगे। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा दिवस पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से कैथल सहित राज्य के सभी 22 जिलों में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली लागू कर दी है। इस नई प्रणाली का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार को खत्म करना, नागरिकों को सरल, सुविधाजनक और पारदर्शी तरीके से सेवाएं प्रदान करना है।

सुबह तथा दोपहर को दो बसें जाएंगी चंडीगढ़

जींद डिपो ने वाया 152डी के रास्ते चलाई दो बसें

बस चलाए जाने की यात्री लगातार कर रहे थे मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

यात्रियों की मांग पर जींद डिपो ने वाया 152 डी के रास्ते दो और बस चलाई हैं। इससे पहले एक एसी बस सुबह छह बजकर 40 मिनट पर जींद बस स्टैंड से चंडीगढ़ के लिए चल रही थी। अब सात बजकर 20 मिनट और दोपहर बाद तीन बजकर 50 मिनट पर वाया 152 डी चंडीगढ़ के लिए बस शुरू की गई है। वाया 152 डी के रास्ते चंडीगढ़ जाने के लिए यात्रियों को कैथल की अपेक्षा कम समय लगता है। हालांकि जींद से चंडीगढ़ रूट के लिए 12 से अधिक बस चलती हैं। एसी बस में जींद से चंडीगढ़ का किराया 340 रुपये लगता है। जबकि सामान्य रोडवेज बस में किराया 240 रुपये है। एसी बस में सामान्य रोडवेज बस की अपेक्षा किराया ज्यादा है लेकिन 152 डी के रास्ते चंडीगढ़ जाने पर बस को लगभग तीन घंटे लगते हैं। जबकि वाया कैथलए पिहोवाए अंबाला के रास्ते चंडीगढ़ जाने पर चार घंटे से ज्यादा का समय लगता है। वाया 152 डी के रास्ते जाने पर यात्री कम समय में चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं। जींद से चंडीगढ़ रूट पर पांच एसी बस चलती हैं। जिसमें से एक बस वाया 152 डी के रास्ते जाती हैं। एक बस सुबह छह बजकर 40 मिनट पर चलती है, जो वाया 152 डी के रास्ते होकर जाती है। इसके अलावा दूसरी एसी बस सुबह नौ बजकर 20 मिनट, तीसरी बस सुबह 10 बजकर 50 मिनट, चौथी बस दोपहर 12 बजे और पांचवीं बस दोपहर दो बजकर 20 मिनट पर चलती है। जो वाया कैथल होकर चंडीगढ़ जाती है।

बेहतर सुविधा देने का प्रयास

जींद डिपो के डीआई सुनील पूनिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए वाया 152डी के रास्ते दो और बस चलाई गई हैं। इससे पहले केवल एक एसी बस वाया 152डी के रास्ते चल रही थी। यात्रियों की मांग पर यह दोनों बस शुरू की गई है। रोडवेज कर्मचारियों का प्रयास है कि यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा दी जा सके।

सुविधा के लिए चलवाई

हरियाणा रोडवेज स्वतंत्र कर्मचारी यूनियन के डिपो प्रधान राजेश ने बताया कि वाया 152 डी के रास्ते चंडीगढ़ जाने पर यात्रियों को कम समय लगता है। ऐसे में यात्रियों की मांग पर जींद से वाया 152 डी के रास्ते सुबह सात बजकर 20 मिनट और दोपहर बाद तीन बजकर 50 मिनट पर बस शुरू की गई है। पहले से ही सुबह छह बजकर 40 मिनट पर एक एसी बस वाया 152 डी के रास्ते चल रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए दो और बस वाया 152 डी के रास्ते चलाई गई है।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
10
रोहतक, मंगलवार
4 नवंबर 2025
हरिभूमि
सहेली

अपनी कामयाबी को ऐसे रखिए कायम

कामयाब होना तो कठिन है ही, अपनी कामयाबी को संभाले रखना, इसे नई ऊंचाई देना और भी कठिन काम है। कामयाबी पर हम कैसे टिके रहें, नए-नए सोपान तय करें, इसके लिए प्रोफेशनल फ्रंट पर हम किन विशेष बातों को ध्यान में रखें, इसके लिए अपनी सोच कैसी रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कामयाबी ऐसे ही किसी को आसानी से नहीं मिल जाती। इसे पाने की यात्रा का संघर्ष बहुत मुश्किल होता है। इससे कहीं ज्यादा कठिन होता है, हासिल की गई कामयाबी को बनाए रखना, मेहनत के साथ मिली कामयाबी पर टिके रहना, प्रोफेशनल फ्रंट पर खुद को निरंतर संवारते रहना, साथ ही व्यक्तिगत फ्रंट पर सहज बने रहना। असल में सफलता को पाना और सफल होने पर इसे संभालना, दोनों ही बहुत मुश्किल काम हैं। अपनी कामयाबी को अहंकार और असहयोगी रवैये के कारण खो देने वाले लोगों के उदाहरण हर फील्ड में मिल जाएंगे। बहुत से चर्चित और सफल लोग, लंबे संघर्ष के बाद पाई कामयाबी को छोटी-छोटी गलतियों के चलते गंवा देते हैं। उनसे सबक लेना और समय रहते संभलना भी एक स्किल ही है। ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी सजगता और सहजता से जीवन जीते हुए किन बातों का ध्यान रखकर अपनी कामयाबी को कायम रखें, जानिए-

ग्रेटिट्यूड का भाव

ग्रेटिट्यूड यानी कृतज्ञता का भाव सफलता को और सार्थक, और टिकाऊ बनाता है। इसीलिए अपनी कामयाबी का उत्सव मनाते हुए इस यात्रा में सहयोगी रहे लोगों को कभी न भूलें। जब भी, जैसे रूप में भी संभव हो, उन लोगों को जैसे माता-पिता, मित्र, शिक्षक या सहकर्मी को धन्यवाद कहें। इनके प्रति आभार जताना कभी न भूलें। आमतौर पर सफलता पाने के बाद लोग आत्मकेंद्रित हो जाते हैं, जबकि जीवन को तो सांप-सीढ़ी के खेल जैसा माना जाता है, कभी ऊंचाइयों का दौर, तो कभी नाकामयाबी का समय। परिस्थितियां बदलती रहती हैं। ऐसे में अपने अच्छे वक्त में भी दूसरों के साथ अच्छे बने रहें, सकारात्मक बर्ताव करें। कम से कम, किसी को कमतर समझने की गलती तो बिल्कुल भी न करें।

सहयोगी सोच है जरूरी

सफलता पाने के बाद भी अच्छे आचरण की अहमियत खत्म नहीं हो जाती। सच तो यह है कि अपनी सफलता को बनाए रखने के लिए अपने व्यवहार में सकारात्मकता और सहयोगी भाव और जरूरी हो जाते हैं। इसीलिए अपने आत्मविश्वास को अति-आत्मविश्वास में कभी न बदलने दें। दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का ट्रेंड हमेशा रहा है और रहेगा। सफल होने का मतलब अपनी कमजोरियों को भूल जाना नहीं होता, न ही दूसरों की काबिलियत की अनदेखी करने से आपकी कामयाबी कुछ विशेष हो जाती है। कोशिश कीजिए, आप संघर्ष कर रहे किसी अपने-पराए के मददगार बनें। आगे बढ़ने, बेहतर बनने में किसी का मार्गदर्शन करें। ऐसा करने से आप खुद भी कुछ नया सीखेंगे। कभी-कभी साझा लक्ष्य पर काम करने की यह रणनीति आपको और नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। किसी को दिया जा रहा सहयोग, आपके किसी समाधान का मार्ग भी निकाल सकता है। देखा जाए तो प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए अपने ही परिवेश को कुछ लौटाने जैसा है। इसीलिए कहा जाता है, सहयोग से पूरे समाज की उन्नति होती है। सहयोगी व्यवहार से न केवल जुड़ाव और अपनापन बढ़ता है, बल्कि प्रोफेशनल संसार के संबंधों को मजबूती भी मिलती है।

आत्म-जागरूकता और सहजता जरूरी

किसी क्षेत्र विशेष में सफल होने का अर्थ यह नहीं कि आप अपने आप में पूर्ण या संपूर्ण हो गई हैं। साथ ही यह भी नहीं सोचना चाहिए कि अब सारी परीक्षाएं खत्म हो गई हैं। जिंदगी

समय-समय पर इम्तिहान लेती रहती है। किसी न किसी रूप में उलझनें सामने आती रहती हैं। इस पड़ाव पर आत्म-जागरूकता और सहजता आवश्यक है। अहंकार से दूरी रखना जरूरी है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि अहंकार सफलता का एक स्वाभाविक परिणाम नहीं है। कामयाबी के गुरूर से इंसान का बदलता व्यवहार ही ईगो की ओर धकेलता है। वहीं, सफलता के दौर में सहज और विनम्र रहने वाले इंसान का मन सदा ग्रेटिट्यूड के भाव से भरा रहता है।

बुरी आदतों से बचें

कामयाबी के दौर में बुरी आदतों के घेरे में आकर खुद को खो देने वाले लोगों के बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इसीलिए सफलता को कोई सनक न बनाएं। खुद को खास दिखाने के लिए अजब-गजब आदतों के जाल में न फंसें, प्रोक्रास्टिनेशन यानी अपने काम को टालते रहना हो या दिनचर्या बिगाड़ लेना, किसी तरह की लत का शिकार होना हो या अपने आपको दिखावे की लाइफस्टाइल में उलझा लेना, ऐसी हर बात से बचिए, जो आपको दिशाहीन करती है। याद रखिए कि

अपनी सफलता को जीना अलग बात है और उसका सिर चढ़ जाना अलग। इस अंतर को समझते हुए खुद को संवारते रहना ही कामयाबी को टिकाऊ बनाता है। संघर्ष का समय बीतने के बाद भी सफलता पाने वाले लोग अनुशासित जीवन जीते हैं और आत्म-निरीक्षण को प्राथमिकता देते हैं। a

घर की तमाम जिम्मेदारियों को निभाते हुए हाउस वाइव्स का खुद के लिए यानी मी टाइम निकालना जरूरी है। इससे वे अपने को रिचार्ज महसूस करेंगी, उन्हें कभी स्ट्रेस नहीं होगा। लेकिन मी टाइम के लिए वर्क मैनेजमेंट का हुनर जरूरी है।

बिजी लाइफ में भी खुद के लिए निकालें मी टाइम

एडवाइस
शीला श्रीवास्तव

हाउस वाइव्स की अकसर यह शिकायत रहती है कि वे खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पातीं। वाकई रुटीन मैनेजमेंट उनके लिए एक चैलेंज की तरह होता है। उन्हें बच्चों के स्कूल, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लासेस, हसबैंड के ऑफिस और घर के बड़े-बुजुर्गों की देखभाल के बीच अपने लिए समय नहीं मिल पाता। अपने लिए समय निकालना कितना जरूरी है, इस पर वे कुछ सोचती नहीं हैं। लेकिन अपने लिए समय ना निकालने की वजह से हाउस वाइव्स स्ट्रेस में आ जाती हैं। नतीजतन उन्हें छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, जो आगे चलकर शारीरिक और मानसिक रोगों का कारण बनता है। सवाल यह है कि हाउस वाइव्स खुद के लिए मी टाइम कैसे निकालें-

जरूरी है मी टाइमः तमाम जिम्मेदारियों के बीच खुद के लिए समय निकालना 'मी टाइम' है। स्ट्रेस फ्री रहने के लिए यह बहुत जरूरी है। मी टाइम ब्रेन को रिचार्ज करता है। भले ही मी टाइम एक घंटे का हो, लेकिन होना जरूर चाहिए। इस समय आप बस अपने लिए जिएं, खुद को खुशी देने वाले काम करें। एक बार मी टाइम पर फोकस करके देखिए, आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगी। इतना ही नहीं, आप जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से सोच सकेंगी। खुद को बेहतर समझ पाएंगी और अपनी कमजोरियों और खूबियों पर मंथन कर सकेंगी। साथ ही आप अपने रिश्ते को और बेहतर बनाने पर विचार कर पाएंगी।

पा सकती हैं खोई हुई एनर्जीः मी टाइम से आप अपनी खोई हुई एनर्जी वापस पा सकतीं हैं। मी टाइम निकालने के लिए सबसे जरूरी है कि पहले वर्क मैनेजमेंट करें, क्योंकि आप अपने घर के कार्यों को व्यवस्थित कर पाएंगी तो आपके लिए मी टाइम निकालना आसान हो जाएगा। वर्क मैनेजमेंट सही करने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना होगा।

खुद को दें प्रॉयोरिटीः आपके परिवार में किसी को भी कोई जरूरत हो तो वह आपके पास आते हैं। ऐसे में गृहिणियों के लिए तनाव रहित रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि अगर आपका स्वभाव चिड़चिड़ा होगा तो आप चाहकर भी किसी की पूरे मन से मदद नहीं कर पाएंगी। इसलिए खुद को प्रॉयोरिटी दें। अपनी पसंद की चीजों पर ध्यान दें। खुद के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। खुद के पसंद की म्यूजिक सुनें, डांस करें या फिर खुद के पसंद के अन्य काम करें।

अपना टाइम टेबल बनाएं

मी टाइम निकालने के लिए सबसे पहले आप अपने घर के कार्यों का समय तय करें। इसके लिए जरूरी है कि आप टाइम टेबल बनाएं और हर काम का समय तय करें। टाइम टेबल के हिसाब से किया गया काम हमेशा समय से होता है, इससे आप आसानी से समय निकाल कर अपनी रुचि के काम कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल में बदलावः सुबह उठने की आदत डालनी होगी। अगर आप देरी से उठेंगी तो घर का काम भी देरी से शुरू होगा और आपका सारा दिन झुंझलाहट में बीतेगा। खुद के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा।

सोशल मीडिया पर ज्यादा बिजी न रहेंः अकसर देखा गया है कि महिलाएं सुबह से ही सोशल मीडिया पर कमेंट और लाइक्स देखने और उसका जबाब देने में बिजी हो जाती हैं, जिससे उन्हें समय का पता ही नहीं चलता। सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के लिए आप एक समय तय करें, ताकि आप काम के स्ट्रेस से भी दूर रहें और मी टाइम निकाल सकें।

घर के लोगों से लें मददः महिलाओं की यह आदत होती है कि हर काम अकेले ही करना चाहती हैं, जो ठीक नहीं है। घर के अन्य सदस्यों से थोड़ी-थोड़ी मदद लें। बच्चों से आप उनका कमरा ठीक करने, अलमारी और किताबें ठीक करने के लिए कहें। इससे वे खुद भी व्यवस्थित व अनुशासित बनेंगे। इससे आप अकेली पर काम का सारा बोझ नहीं पड़ेगा। a

स्पेशल : इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, 7 नवंबर

शिशु देखभाल की समझ बढ़ाने, बाल मृत्यु दर में कमी लाने और नवजात बच्चों की देखभाल से जुड़ी सर्विसेज के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने के लिए हर साल 7 नवंबर को इंफेंट प्रोटेक्शन-डे मनाया जाता है। न्यू बॉर्न बेबी की देख-भाल के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जानिए।

न्यू बॉर्न बेबी सजगता से हो देख-भाल

लालन-पालन
चैतन्या

बच्चे के जन्म के बाद कुछ दिनों तक न केवल न्यू बॉर्न बेबी की विशेष देखभाल की जरूरत होती है बल्कि बहुत सी छोटी-छोटी बातों को लेकर सजगता बरतना भी जरूरी है। हमारे यहां नवजात यानी न्यू बॉर्न बेबीज की सुरक्षा के मामले में आज भी अवेयरनेस की कमी देखी जाती है। असल में नवजात बच्चों की मेडिकल केयर के साथ ही, अपनों की स्नेह भरी देख-भाल, स्वच्छता, स्तनपान और वैक्सीनेशन जैसी बातों को लेकर जागरुकता होनी जरूरी है।

किसे कहते हैं न्यू बॉर्न बेबीः आम बोलचाल की भाषा में कुछ घंटों, दिनों या एक महीने तक के बच्चे को न्यू बॉर्न बेबी यानी नवजात शिशु कहते हैं। वैसे जन्म से लेकर एक साल की उम्र नवजात अवस्था के तौर पर बच्चे की देखभाल के लिए अहम होती है। घर के बड़ों के लिए बच्चे के दुनिया में दस्तक देने के बाद का यह समय बहुत सजग रहने का होता है। इंफेंट केयर में जरा सी चूक शिशुओं को आगे के लिए भी कई परेशानियों का शिकार बना सकती है। खासकर पैरेंट्स को न्यू बॉर्न बेबी की सुरक्षा और विकास के बारे में अवेयर रहना चाहिए। ब्रेस्ट फीडिंग से लेकर वैक्सीनेशन और किसी तरह की जन्मजात तकलीफ का इलाज करवाने तक, ये शुरुआती दिन बेहद अहम होते हैं। इतना ही नहीं मौसमी बीमारियों और दूसरे

इंफेक्शन से बचाने के लिए साफ-सफाई का भी ध्यान रखना होता है। असल में ऐसी छोटी-छोटी गलतियों के चलते हमारे देश में आज भी इंफेंट मोरटैलिटी के आंकड़े चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे में इंफेंट प्रोटेक्शन-डे हर मामले में शिशुओं की बेहतर ढंग से केयर करने से जुड़ी सतर्कता लाने का संदेश देने वाला दिन है।

स्तनपान और स्वच्छताः मां के दूध को तो नवजात का पहला टीका कहा जाता है। शिशु के स्वास्थ्य के लिए अमृत माना जाता है। ऐसे में जन्म के बाद बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करवाना बहुत जरूरी है। इसके लिए माताओं में भी सजगता होना जरूरी है। साथ ही ब्रेस्ट फीडिंग शुरू करने में देरी हो जाए तो नवजात शिशु भी मां का दूध पीने में सहज नहीं रहता। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही समय पर बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू कर दिया जाए तो यह न्यू बॉर्न बेबी की सेहत के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है।

संक्रमित होने से बचाएंः इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, लोगों को साफ-सफाई रखने के लिए भी चेताता है। जन्म के बाद के शुरुआती दिनों में नवजात बच्चों को कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं। इनकी एक बड़ी वजह स्वच्छता न रखना भी है। हमारे यहां बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं का जीवन डिलिवरी के दौरान या जन्म के बाद पहले चौबीस घंटों के भीतर छिन जाता है। इंफेंट मोरटैलिटी के कई कारण हैं। इन जानलेवा वजहों में जन्म के बाद संक्रमित होना भी शामिल है।

वैक्सीनेशन और पोषणः बच्चे के जन्म के बाद टीके लगवाने में तो कोई देरी नहीं होनी चाहिए। शिशु को नियमित डॉक्टर को दिखाने, उसके

वजन का ध्यान रखने और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक समय-समय पर लगने वाले वैक्सीन लगवाने की प्रक्रिया फॉलो करना जरूरी है। साथ ही सही पोषण का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। हमें अपने नवजात बच्चे की सुरक्षा को लेकर ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत होती है। a

फॉलो करें प्रॉपर मेकअप स्टेप्स मिलेगा इंप्रेसिव-परफेक्ट लुक

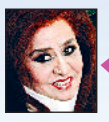

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

अगर आप प्रोफेशनल हैं तो मेकअप सही ढंग से अप्लाई करना जरूरी होता है। लेकिन मेकअप शुरू करने से पहले आपको इसके बेसिक्स की जानकारी होनी चाहिए ताकि आप अट्रैक्टिव, इंप्रेसिव दिखें।

क्लींजरः मेकअप करने से पहले क्लींजर की मदद से चेहरे को साफ कर लें। आप कॉटन में टोनर लगाकर भी चेहरे को अच्छी तरह साफ कर सकती हैं। इसके बाद ही फेस स्क्रब का यूज करें क्योंकि इससे आपकी स्किन सुंदर और आप अट्रैक्टिव दिखेंगी।

मॉयश्चराइजरः स्किन को क्लीन करने के बाद मॉयश्चराइज करें। इसके बाद आप प्राइमर लगाएं ताकि मेकअप देर तक टिका रहे।

आंखों को करें हाइड्रेटेडः आंखों के आस-पास की स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए आई सीरम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। सामान्यतः हाईड्रेटिंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए और अगर आपकी स्किन ऑयली है तो तेल की अधिक मात्रा को नियंत्रित करने के लिए मैटीफाइंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए। अगर आपकी त्वचा पर दाग, धब्बे, मुंहासे हैं या आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो इन्हें कवर करने के लिए कंसीलर कलर करेक्टर का उपयोग करें ताकि त्वचा का रंग नेचुरल दिखे।

लिप्स के लिएः अगर आपकी लिपस्टिक

कुछ ही समय बाद होंठों से गायब हो जाती है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कॉम्पैक्ट पावडर का इस्तेमाल करें, जो लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद उस पर टिश्यू पेपर लगाएं। अब, अपने होंठों पर टिश्यू पेपर के ऊपर कुछ लूज कॉम्पैक्ट पावडर या एक लूज सेटिंग पावडर लगाएं। ऐसा करने से आपकी लिपस्टिक पहले की तरह सेट हो जाएगी।

रिमूव एक्सट्रा ऑयलः अगर आपकी स्किन पर एक्सट्रा ऑयल दिखता है तो ब्लॉटिंग पेपर का यूज कर सकती हैं। इसके यूज से स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को हटाया या कम किया जा सकता है।

फाउंडेशनः अपनी स्किन टोन के हिसाब से फाउंडेशन का यूज करें। फाउंडेशन को अपनी गर्दन पर लगाना न भूलें।

ब्लश का यूजः ब्लश का यूज अपनी जरूरत के अनुसार करें क्योंकि इसका ज्यादा उपयोग अननेचुरल दिखेगा। इसे अपने गालों को उभारने के लिए ही उपयोग कीजिए। ज्यादातर स्किन पर हल्का पिंक ब्लश सूट करता है।

लिपस्टिक-लिप ग्लॉसः अगर आपको यह महसूस हो कि मैटीफाइंग लिपस्टिक से आपके लिप्स ड्राइ हो रहे हैं तो किसी लिप बाम के बाद लिपस्टिक अप्लाई करें।

सेटिंग स्प्रेः अपने मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सेटिंग स्प्रे का यूज कीजिए। लेकिन आंखों को बंद रखें और होंठों को भी कवर रखें।a

मेडिकल सजेशन
डॉ. भारती कालरा
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट
करनाल-हरियाणा

अपने जरूरी पर्सनल वर्क के लिए कई महिलाएं पीरियड्स को डिले करने के लिए मेडिसिन ले लेती हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है। लापरवाही हार्मफुल हो सकती है।

डॉक्टर से कंसल्टेशन पर ही लें पीरियड्स-डिले मेडिसिन

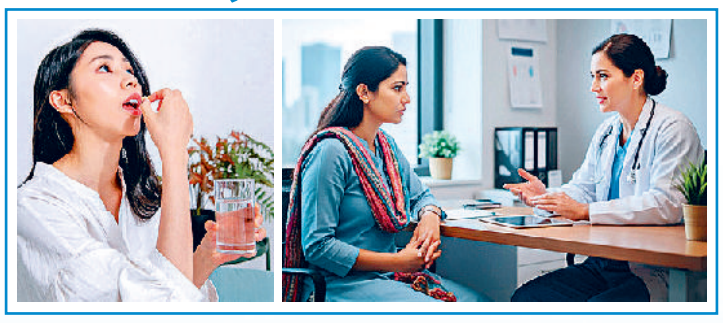

पीरियड्स एक नेचुरल फिजिकल साइकिल है, जिससे टीनएज से 45-50 वर्ष की उम्र के बीच की हर महिला गुजरती है। लेकिन कई बार मैरिज, स्पेशल फंक्शन, सैर-सपाटे, स्टडी जैसे किसी विशेष अवसर पर कुछ महिलाएं पीरियड्स रोकने के लिए मेडिकल स्टोर में आसानी से उपलब्ध पीरियड्स डिले करने वाली हार्मोनल पिल्स ले लेती हैं। इन दवाओं के गलत डोज या साइड इफेक्ट्स की वजह से कई शारीरिक समस्याओं के साथ जीवन पर भी संकट मंडरा सकता है।

कैसे काम करती हैं ये दवाएंः मेडिकली देखें तो महिला के शरीर में प्रत्येक पीरियड साइकिल के दौरान प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन का लेवल प्राकृतिक रूप से कम हो जाता है, जिसकी वजह से यूट्रस की लाइनिंग गिरने लगती हैं और पीरियड्स शुरू हो जाते हैं। पीरियड्स-डिले पिल्स, मुख्य तौर पर दो तरह की हार्मोनल दवाइयां होती हैं, जिनमें या तो सिर्फ सिंथेटिक प्रोजेस्ट्रॉन होता है या फिर एस्ट्रोजन-प्रोजेस्ट्रॉन का मिश्रण होता है। इनके सेवन से महिला के शरीर में प्रोजेस्ट्रॉन लेवल कम नहीं हो पाता और पीरियड्स रुक जाते हैं यानी, ये दवाएं अस्थाई रूप से पीरियड साइकिल को रोककर पीरियड्स को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। साथ ही महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम को रेगुलेट करने में मदद करती हैं।

क्या होते हैं साइड इफेक्ट्सः हालांकि ये दवाइयां सुरक्षित होती हैं, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट से बचने के लिए इन्हें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर सही तरीके और सही डोज में ही लेनी चाहिए। इन्हें लेने पर कुछ सामान्य साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, सिर-दर्द होना, ब्रेस्ट में दर्द होना, पेट फूला-सा लगना, वजन बढ़ना, मितली-उल्टी की फीलिंग होना, पैर में दर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ना आदि। कुछ मामलों में शरीर में हार्मोन और रक्त में मौजूद रसायनों का संतुलन गड़बड़ा जाता है। धमनियों में ब्लड क्लॉटिंग या डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने का खतरा रहता है। हार्मोनल दवाइयों के हाई डोज से ब्लड प्रेशर और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे हार्ट रेट गड़बड़ा सकता है।

इन्हें होता है अधिक रिस्कः पीरियड्स-डिले करने वाली दवाओं का सेवन करने में ऐसी महिलाओं को पूरी एहतियात बरतनी चाहिए, जो पीसीओएस, माइग्रेन, स्ट्रोक, ब्लड प्रेशर, लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज आदि से जूझ रही हों। a

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

इन बातों का रखें ध्यान

- हार्मोन पिल्स का सेवन बिना डॉक्टर के परामर्श के न करें।
- जब तक बहुत जरूरी न हो, इन गोलियों का इस्तेमाल न करें।
- एक सप्ताह पहले ही आजमा लें ताकि यदि कोई साइड इफेक्ट हो तो उससे निपटने के लिए समय मिल सके।
- मेडिकल हिस्ट्री और ब्लड टेस्ट जरूर करवाएं। पहले से मौजूद बीमारियों जैसे लिवर, ब्लड प्रेशर, डीवीटी, हार्मोनल असंतुलन में इन्हें बिल्कुल न लें।
- कभी-कभार और डॉक्टर की निगरानी में इनका सेवन सुरक्षित है। लेकिन बार-बार इस्तेमाल शरीर के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है।

खबर संक्षेप

सफाई कर्मचारियों ने चलाया संपर्क अभियान

जींद। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा जिला कमेटी ने सफीदों ब्लॉक के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों में नौ नवंबर की महापुकार रैली के लिए संपर्क अभियान चलाया और पर्चा वितरित करते हुए इस रैली में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। इस अभियान में यूनियन के जिला सचिव पवन कुमार, प्रवीन कुमार, सत्यवान आफताबगढ़, सुनील खेड़ी खेमावती व सीटू नेता राजेश कुमार शामिल हुए।

क्रिकेट खिलाड़ी शैफाली वर्मा को सम्मानित करेगी सभा

जींद। मैढ सुनार सभा जींद ने भारत को महिला विश्व क्रिकेट कप विजेता बनाने पर हरियाणा के समाज की गौरव शैफाली वर्मा और पूरी टीम शुभकामनाएं भेजी। मैढ सुनार सभा के प्रधान सत्यनारायण सोनी, महासचिव राममेहर वर्मा ने बताया कि जल्दी ही बैठक कर समाज की होनहार बेटी शैफाली वर्मा को उनके लाजवाब प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने का कार्य किया जाएगा।

उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों को मिलेंगे पुरस्कार

जींद। महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी सीमा रोहिल्ला ने बताया कि विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के विकास के क्षेत्र में कार्य किया जाता है। जिसकी निरंतरता में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि 18 वर्ष व उससे कम आयु की बच्चियां जिनके द्वारा खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, वृक्षारोपण इत्यादि के क्षेत्रों में अनुशंसनीय उपलब्धि हासिल कि गई है।

किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन तत्पर

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिला प्रशासन किसानों के हितों की सुरक्षा, पारदर्शी खरीद व्यवस्था और सुविधाओं के सुचारू प्रबंधन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। धान खरीद सीजन के दौरान मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि किसी भी किसान को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मंदिर कमेटी के फर्जी दस्तावेज तैयार करवा किया कब्जा

जींद। पतराम नगर में दुर्गा मंदिर कमेटी को लेकर पिछले काफी समय से चले आ रहे विवाद में आखिरकार पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ फर्जी दस्तावेज पाए जाने पर मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पतराम नगर नरवाना निवासी नरेश कुमार ने अदालत में जनवरी महीने में याचिका दायर करके दुर्गा मंदिर को की कमेटी दुर्गा सेवा समिति पर सवाल उठाए थे।

संयुक्त किसान मोर्चे का धरना लगातार जारी

जींद। लघु सचिवालय नरवाना में संयुक्त किसान मोर्चे का 1294वें दिन का धरना अलबेल नंबरदार की अध्यक्षता में जारी रहा। जिसका संचालन महेंद्र धर्मगढ़ ने किया। धरना संयोजक व अखिल भारतीय किसान सभा राज्य अध्यक्ष मास्टर बलबीर सिंह ने कहा कि सरकार ने घोषणा की थी कि 15 अक्टूबर के बाद जलजमाव के क्षेत्र में मुआवजे की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

गीता मंदिर में विधि विधान से तुलसी विवाह संपन्न

जींद। श्री गीता मंदिर में तुलसी विवाह धूमधाम एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान भक्तों ने खूब बढ़ चढ़कर भाग लिया, तो महिलाओं ने खूब नाच गाकर तुलसी विवाह का आनंद लिया। हवन किया गया और उसके उपरांत हवन कुंड के चारों ओर कन्हैया के साथ तुलसी के फेरे करवाए गए। तुलसी विवाह में पंडित जी ने मंत्र उच्चारण भी विधि पूर्वक किए।

खानपुर में स्कूल जर्सी वितरण सम्मान समारोह

सीवन। मिडिल स्कूल खानपुर में सोमवार को जर्सी वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी यशपाल शर्मा कैथल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय के 333 विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव के लिए स्वेटर वितरित किए।

गुहला तहसील बनी 'लावारिस दफ्तर'

तहसीलदार, नायब तहसीलदार और रजिस्ट्री क्लर्क सहित तीनों पद खाली, जनता बेहाल

पेपरलेस रजिस्ट्री के पहले दिन एक भी रजिस्ट्री नहीं हुई

सरकारी राजस्व को लाखों का नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला चीका

गुहला तहसील आजकल लावारिस हाल में है। यहां पर तहसीलदार से लेकर रजिस्टरी कलर्क तक के पद पर कार्य करने वाले कोई नहीं है। अपने अपने काम के संबंध में तहसील कार्यालय में आने वाले लोगों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। ज्ञात रहे कि 18 फरवरी 2025 को गुहला तहसील के रजिस्टरी कलर्क प्रदीप कुमार को एंटी क्रप्शन ब्यूरो की टीम ने दस हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। आरोप लगे थे रजिस्टरी कलर्क ने यह रिश्वत तहसीलदार मनजीत मलिक के कहने पर ली थी। तहसीलदार मनजीत मलिक उसके तुरंत ही छूटी पर चले गए थे। गुहला में तहसीलदार का पद 18 फरवरी से लेकर आज तक खाली चला आ रहा है। पिछले नौ महीनों से गुहला तहसील का पूरा कार्य नायब तहसीलदार बंसी लाल देख रहे थे लेकिन पिछले महीने नायब तहसीलदार बंसी लाल का भी यहां से तबादला कर दिया गया। दोनों तहसीलदार के पद रिक्त होने से तहसील में होने वाले रजिस्टरी सहित दूसरे सभी कार्य पूरी तरह से ठप्प पड़ गए। दोनों तहसीलदारों के पद रिक्त होने के बाद यहां पर तैनात रजिस्टरी कलर्क भी लंबी छूटी पर चले गए है। अपने अपने कामों के संबंध में आने वाले लोगों की समस्या सुनने वाला गुहला तहसील में कोई अधिकारी नहीं है। तहसीलदारों के पद रिक्त होने से रजिस्टरियां नहीं हो पा रही जिसके चलते तहसील में काम करने वाले दर्जनों वसीका नवीस, अस्टाप विक्रेता व टाइपिस्ट खाली बैठने को मजबूर। चीका निवासी अवतार सिंह, रिकूं, अशोक, कुलविंद्र सिंह व लीला राम ने बताया कि गुहला तहसील में कोई काम नहीं हो रहा है। इससे जहां सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है वहीं आम जन भी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि नौ महीने तक किसी तहसीलदार का पद रिक्त रहना सरकार व प्रशासन की नाकामी दर्शाता है। लोगों ने सरकार से मांग की है कि गुहला तहसील में तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित रिक्त पड़े सभी दूसरे पदों को भरा जाए ताकि आम जन के रोजमर्रा के काम आसानी से हो सकें।

कोई भी रजिस्ट्री नहीं हुई

गुहला तहसील में तहसीलदार का पद रिक्त है। नायब तहसीलदार का चार्ज एडिशनल दिया गया है और वो भी छूटी पर गई हुई हैं। यहां पर रजिस्टरी कलर्क भी एडिशनल चार्ज पर है और वह भी छूटी पर चल रहा है, ऐसे में आज गुहला तहसील में पहले दिन कोई भी पेपर लेस रजिस्टरी नहीं हो सकी है।

कैप्टन प्रमेश सिंह, एसडीएम गुहला।

साइट का ना चलना बताया

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई पेपर लेस रजिस्टरी के आज पहले दिन चीका में तहसील में एक भी रजिस्टरी नहीं हो पाई। रजिस्टरी ना होने की मुख्य वजह यहां पर तहसीलदार, नायब तहसीलदार व रजिस्टरी कलर्क का पद रिक्त होने के साथ साथ विभाग द्वारा शुरू की साइट का ना चलना बताया जा रहा है। लोगों ने मायूस होते हुए कहा कि यदि साइट ठीक ठाक चल भी पड़े तो भी गुहला तहसील में रजिस्टरियां नहीं हो सकती क्योंकि यहां तहसीलदार के पद ही रिक्त पड़े हैं।

महेंद्रगढ़ की दिवाक्षी अब बॉलीवुड में आएगी नजर

महेंद्रगढ़। आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोद की 9वीं कक्षा की छात्रा दिवाक्षी का चयन बॉलीवुड मूवी कला एक संघर्ष में क्लासिकल डांस के लिए किया गया है। यह फिल्म नृत्य और संघर्ष पर आधारित है और दिवाक्षी का चयन इस फिल्म के लिए उनकी बेहतरीन परफॉर्मेंस के आधार पर हुआ। दिवाक्षी ने एक नवंबर को दिल्ली में आयोजित आडिशन में भाग लिया था, जहां फिल्म के डायरेक्टर मिस्टर अली रॉय और सपना सिंह ने उनकी नृत्य प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें फिल्म में शामिल करने का निर्णय लिया। महेंद्रगढ़ निवासी दिवाक्षी की सफलता की कहानी न केवल उनके

नृत्य कौशल, बल्कि उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। दिवाक्षी के पिता दीपक व माता ज्योति ने बताया कि वह बचपन से ही नृत्य में रुचि रखती थीं।

सम्मान बढ़ाया

ढाई साल की उम्र में ही दिवाक्षी ने स्टेज पर नृत्य प्रस्तुतियां देना शुरू कर दिया था। उन्होंने नेशनल यूनियन क्लासिकल डांसर का खिताब भी जीता है और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। उनके प्रदर्शन ने न केवल अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि उन्होंने अपने गांव और समाज में भी कला के प्रति जागरूकता और सम्मान बढ़ाया है। फिल्म कला एक संघर्ष में दिवाक्षी के साथ बॉलीवुड के अभिनेता मुस्ताक खान, प्रदीप कावरा, इकरार मल्लिक (यू-ट्यूबर) और डीआईडी के द्वितीय विजेता हरुण राव भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं।यह फिल्म नृत्य की कठिनाइयों और संघर्षों को दर्शाते हुए एक प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करती है। दिवाक्षी का इस फिल्म में अभिनय करना उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूंडरी। विजेता खिलाड़ियों के साथ प्रिंसिपल ऋतु बंसल। *फोटो :हरिभूमि*

गुरु नानक स्कूल के खिलाड़ी छाए

पूंडरी। गुरु नानक पब्लिक स्कूल फरल के विद्यार्थियों ने ओपन कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने कौशल और मेहनत का परिचय देते नवरीत कौर ने सिल्वर, सुखमन कौर ने सिल्वर और लक्षित ने कांस्य पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। विद्यालय के प्रिंसिपल ऋतु बंसल और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को इस सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव की बात है बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।इन पदकों की जीत से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आगे भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित होंगे।

आंगनवाड़ी वर्कर हैल्पर यूनि की बैठक संपन्न

कैथल। आंगनवाड़ी वर्कर हैल्पर यूनियन जिला कैथल की एक जरूरी जिला कन्वेशन पूनम लोहान की अध्यक्षता में भगत सिंह भवन में सम्पन्न हुई। कन्वेशन का संचालन जिला सचिव शकुंतला ने किया कन्वेशन का मुख्य मुद्दा 15 को राज्य कन्वेशन जो कैथल में तय की गई है उसकी तैयारी को लेकर की गई। तैयारी को लेकर 7 टीमों का गठन किया गया जिसमें ब्लॉक से लेकर गांव तक तैयारी की जाएगी। 15 नवंबर को होने आने वाली राज्य कन्वेशन में पूरे हरियाणा से लगभग 200 के करीब नेता शामिल होंगी व आगामी आंदोलन का आगाज करेंगी। कन्वेशन में मुख्य वक्ता के तौर पर फेडरेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष ऊषा रानी व सीटू राज्य महासचिव जयभगवान जी शामिल होंगे। हरियाणा के 22 जिलों से 200 के करीब आंगनवाड़ी नेत्री शामिल होकर आगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करते आंदोलन का आगाज करेगी।

भक्ति भाव से मनाया तुलसी विवाह

सीवन। कार्तिक मास की पवित्र पूर्णिमा तिथि पर नगर के सनातन धर्म मंदिर में बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ तुलसी विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। पूरे मंदिर प्रांगण में हरि नाम संकीर्तन, दीपों की ज्योति और भक्ति संगीत की गूंज से दिव्यता का वातावरण बना रहा। तुलसी माता और भगवान शालिग्राम (नारायण स्वरूप) का पारंपरिक रीति से विवाह संस्कार संपन्न कराया गया। विवाह की सभी वैदिक विधियाँ मंदिर के आचार्य महेश शर्मा के निर्देशन में पूर्ण श्रद्धा के साथ की गईं। विवाह के दौरान मंडप सजाया गया, मंत्रोच्चारण के बीच भगवान शालिग्राम जी को तुलसी माता के साथ समर्पित किया गया और वैवाहिक फेरे पूरे किए गए। भजन-कीर्तन के माध्यम से भक्तों ने भक्ति रस में डूबकर आनंद की अनुभूति की। धीरज गंभीर, जितेश कमरा, राजीव मीढ़ा, सोनू मुंजाल सहित भजन मंडली ने सुंदर भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विनेश मेहता, वीना मेहता, वीना तनेजा, नविता शर्मा, तजेंद्र मिढा आदि मौजूद रहे।

सीवन के मंदिर में तुलसी विवाह में भाग लेते श्रद्धालु। *फोटो :हरिभूमि*

हरियाणवी सुकृति वैसा विशाखा अनुपम नमूना प्रस्तुत करती छात्राएं।

हरियाणवी गीतों पर नृत्य से मोहा मन

कैथल। कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय ,कलायत (कैथल) में हरियाणा दिवस के उपलक्ष में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 1 से 3 नवंबर तक महाविद्यालय में हरियाणा दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम करने के निर्देश आए थे उन्हीं के अनुपालन करते महाविद्यालय में हरियाणा में विवाह के अवसर पर किए जाने वाले रिचुअल का आयोजन किया गया। रिचुअल के माध्यम से छात्राओं ने दर्शाया की हरियाणा प्रदेश में विवाह शादियों में किए जाने वाले विभिन्न रीति रिवाजो का पालन कैसे किया जाता है। जिसमें उन्होंने हरियाणवी संस्कृति व सभ्यता का अनुपम नमूना प्रस्तुत किया। हरियाणवी गीतों पर नृत्य से छात्राओं ने सबको मंत्र मुक्त कर दिया। प्राचार्य सुनील गर्ग ने बताया कि प्रदेश ने आज अपनी अलग पहचान बनाई है। हरियाणवी लोकगीत, हरियाणवी भाषा ,हरियाणवी सभ्यता, संस्कृति पूरे भारतवर्ष में दोबारा से प्रचलित हो रही है और यह हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात है।

ऑनलाइन कार्य करने पर जताया रोष

जींद। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी 6 नवंबर को सिविल सर्जन कार्यालय के सामने धरना व प्रदर्शन करेंगे। धरने व प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला कमेटी की बैठक जिला सचिव गुरनाम की अध्यक्षता में हुई। एसो उपप्रधान नीलम, वित्त सचिव अमरजीत तथा सहसचिव राजेश कुमार व सलाहकार शक्ति ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मियों ने संसाधनों के अभाव में गत 25 अक्टूबर से स्वास्थ्य कार्यक्रमों की ऑनलाइन रिपोर्ट तथा अन्य किसी भी प्रकार की ऑनलाइन एंट्री करने के कार्य बंद किए हुए हैं। जिसके बारे पहले ही जिला की सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली सहित जिला के सभी सीएचसी के प्रवर चिकित्सा अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। बताया कि एसो द्वारा बार-बार उच्च अधिकारियों को पत्र लिखने के बावजूद भी कुछ अधिकारियों द्वारा इंटरनेट युक्त लैपटॉप आदि उपलब्ध करवाने की बजाय कर्मचारियों को स्वास्थ्य कार्यक्रम की रिपोर्ट के लिए अपने निजी मोबाइल पर एप डाउनलोड करने के साथ ही स्वास्थ्य कर्मचारियों विशेषकर महिला कर्मचारियों को लाइव लोकेशन भेजने के लिए बाध्य कर रहे हैं।

जींद। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते इनेलो कार्यकर्ता। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। बैठक में भाग लेते स्वास्थ्य कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

लघु सचिवालय पहुंच एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जींद। इनेलो कार्यकर्ताओं ने किसानों की समस्याओं को लेकर सोमवार को शहर में प्रदर्शन किया और लघु सचिवालय पहुंच कर मांगों को लेकर ज्ञापन एसडीएम सत्यवान मान को सौंपा। प्रदर्शन से पहले इनेलो कार्यकर्ता लघु सचिवालय के निकट प्रदेशाध्यक्ष एवं जींद प्रभारी रामपाल माजरा के नेतृत्व में धरने पर बैठे। धरने की अध्यक्षता पार्टी जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह रेढू ने की। रामपाल माजरा ने कहा कि यह सरकार किसान विरोधी सरकार है। हमेशा किसानों के खिलाफ चलने का काम करती है और उनके बीच भरम की स्थिति पैदा करती है लेकिन धरातल पर किसी प्रकार का कोइं सही कार्य सरकार के द्वारा नही किया जा रहा है। इसलिए मजबूर होकर हमें यह कदम उठाने पड़े हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की मुख्य समस्याएं जलभराव के लिए मुआवजा आज तक नहीं दिया गया है। बार-बार मांग करने के बावजूद भी एमएसपी पर फसल नही खरीदी जा रही है और खाद व बीज समय पर उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान को लूटने का कार्य सरकार के द्वारा किया जा रहा है।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं। *फोटो :हरिभूमि*

महिलाओं का आत्मनिर्भर होना आवश्यक

जींद। गांव आलन जोगी खेड़ा में उद्यान विभाग द्वारा डा. मांगेराम के नेतृत्व में डा. अमित लोहान द्वारा महिलाओं को चार दिवसीय आचार, मुरब्बा, चटनी और फल सब्जियों के प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र महिलाओं को मुख्यअतिथि पिल्लूखेड़ा मार्केट कमेटी चेयरमैन रोहताश शर्मा ने बांटे। इस दौरान रोहताश शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर होना आवश्यक हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण से महिलाएं स्वावलंबी बनेंगी जो कि आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण के लिए अहम कदम है। इस प्रशिक्षण के उपरांत महिलाओं एमएसएमई के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए ऋण प्रदान किया जाता हैं। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद महिलाएं किसी भी बैंक से महिला विकास निगम में जाकर आवेदन कर सकती हैं। इससे महिलाओं को आर्थिक सहायता मिलेगी। इस मौके पर राजेश आलन जोगी खेड़ा, महिपाल आलन जोगी खेड़ा, मनीष जामनी, पवन आदि व्यक्ति मौजूद रहे।

सरदार पटेल देश के पहले प्रधानमंत्री होते तो कश्मीर-पाकिस्तान नहीं बनता : कंडेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंग के पूर्व अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता टेकराम कंडेला ने कहा है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल देश आजाद होने के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री होते तो जम्मू कश्मीर का विवाद नही होता और न ही पाकिस्तान का जन्म होता। क्योंकि सरदार वल्लभभाई पटेल एक बहुत ही मजबूत व बहुत उच्च विचार के नेता थे। उनके लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था।

उन्होंने देश का पहला गृहमंत्री बनते ही देश की 562 रियासतों को तोड़ कर एक भारत बनाने का काम किया था। उनको लोह पुरुष की उपाधि भी दी गई है। सरदार वल्लभभाई पटेल उच्च कोटि के राजनेता व वकील एवं प्रशासनिक व्यक्तित्व थे। आज नरेंद्र मोदी की सरकार में उनके जयंती के उपलक्ष में देश में जगह-जगह अनेकों कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिन में जगह-जगह रन फॉर यूनिटी, अन्य कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। जिन मे देश के लोग बढ़चढ़ कर भाग ले रहे हैं व उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते एवं उनके मार्गदर्शन को लोग अपना रहे हैं। जैसे कश्मीर की समस्या व पाकिस्तान का अलग होना और यही मुद्दे आज भी देश के सामने संकट पैदा किए हुए हैं।

देशभक्तों की कांग्रेस ने अनदेखी की

भाजपा सरकार से पहले की सरकारों ने सरदार वल्लभभाई पटेल व सुभाष चंद्र बोस जिन्होंने देश की आजादी में अहम भूमिका निभाई, ऐसे देशभक्तों की कांग्रेस सरकार ने अनदेखी की है। परंतु आज की नरेंद्र मोदी की सरकार सभी देशभक्तों की जयंतियों को बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाने का काम कर रही है और आज भारत सुरक्षित हाथों में है। भारतीय जनता पार्टी जो भी प्रोग्राम शुरू करती है भारत माता की जय बोलते हैं और दूसरी जितनी भी पार्टियां हैं, सभी अपने लीडरों के नाम लेकर प्रोग्राम शुरू करते हैं। इससे पता चलता है कि कौन सी पार्टी देश हित में कार्य कर रही है।

जींद। मेधावी विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

गोपाल स्कूल के विद्यार्थी चमके

जींद। गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सीए फाऊंडेशन व इंटर की परीक्षा में सराहनीय परिणाम प्राप्त किया। विद्यालय प्रधानाचार्य अजय कौशिक द्वारा इस विशिष्ट उपलब्धि पर छात्रों को मिष्ठान खिला कर अभिभावक व आचार्य बंधु भगिनी को शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने कहा कि वाणिज्य विभाग के भरसक प्रयासों व छात्रों की अथक मेहनत से इस प्रकार की उपलब्धियां प्राप्त करके छात्र अनेक वर्षों से अपने विद्यालय व अभिभावकों का नाम रोशन करते आ रहे हैं। वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रवक्ता संदीप गर्ग ने कहा कि बहन अनु व हर्षिता ने सीए फाऊंडेशन की परीक्षा पास की। कृष, साक्षी व प्रियंका ने इंटर में उत्तम परीक्षा परिणाम प्राप्त किया। पूर्णिमा जैन ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर पर भी इन सभी छात्रों का बोर्ड परीक्षा परिणाम हमेशा प्रशंसनीय रहा है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए वाणिज्य विभाग के आचार्य व छात्रों के साथ फोटो सांझा की।

पांच दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस कैंप का शुभारंभ

बच्चों को अनुशासन और नैतिकता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उपायुक्त एवं प्रधान जिला रेडक्रॉस सोसायटी जींद के मार्गदर्शन में तथा शिक्षा विभाग के सहयोग से पांच दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रवि हुड्डा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शिविर का उद्देश्य बच्चों में सेवा भावना, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतीलाल स्कूल के चेयरमैन संदीप दहिया उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं समाज में मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों की शिक्षा देना आज के समय की आवश्यकता है। शिक्षा विभाग की ओर से जिला संगठन आयुक्त राजेश वशिष्ठ तथा रेडक्रॉस की ओर से सरोज कुंडू ने प्रशिक्षण कार्य में सहयोग देने वाले मास्टर ट्रेनर्स के साथ मिलकर कैंप इंचार्ज के दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उन्होंने बताया कि इस शिविर में बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता, योग, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। सचिव रवि हुड्डा ने रेडक्रॉस के इतिहास, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी।

जींद। कैंप में मुख्यअतिथियों का स्वागत करते राजेश वशिष्ठ। *फोटो :हरिभूमि*

गतिविधियों के बारे में बताया

बताया कि रेडक्रॉस की स्थापना मानवता की सेवा के लिए की गई थी और इसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता करना है। मास्टर ट्रेनर राममेहर ने बच्चों को रेडक्रॉस क्लैपिंग और टीम भावना को मजबूत करने वाली गतिविधियों के बारे में बताया। सूर्य देव आर्य ने योग के महत्व और उसके लाभों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को योगा यास करवाया। उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मन को भी शांत करता है। महाबीर पिलानिया ने अपने सत्र में बताया कि आज के समय में हर व्यक्ति तनावग्रस्त जीवन जी रहा है, इसलिए खुश रहना और दूसरों को खुश रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों का मनोरंजन करने के लिए विभिन्न पशु-पक्षियों की आवाजें निकाल कर वातावरण को आनंदमय बना दिया। जिला संगठन आयुक्त राजेश वशिष्ठ ने कहा कि रेडक्रॉस बच्चों में अनुशासन, सहयोग और सेवा की भावना विकसित करने का माध्यम है। वर्तमान समय में बच्चों में चिड़चिड़ापन और असहिष्णुता बढ़ रही है, जिसे दूर करने के लिए इस प्रकार की गतिविधियां अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन में उषा गुप्ता, संतरो रानी, राजेश लाम्बा, दिलावर, सोनिया, और कविता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

किचन गार्डन की उपयोगिता के बारे में बताया

जींद। युवा रैडक्रॉस इकाई एवं अर्थशास्त्र विभाग और राजकीय महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं को स्वावलंबन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण से जोडने के उद्देश्य से कृषक प्रशिक्षण केंद्र सच्चाखेड़ा का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। केंद्र प्रबंधक हितेश कालरा ने छात्राओं को केंद्र की गतिविधियों से अवगत कराया। किचन गार्डन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रत्येक व्यक्ति घर पर ही सीमित स्थान में सब्जियां एवं पौधे उगा सकता है। उन्होंने केंचुआ खाद (वर्मी कंपोस्ट) की विधि समझाते हुए जैविक खेती के लाभों की जानकारी दी। साथ ही औषधीय पौधों के महत्व पर विस्तृत चर्चा की और बताया कि ये न केवल पर्यावरण के लिए उपयोगी हैं बल्कि आजीविका का एक अच्छा साधन भी बन सकते हैं। इसके पश्चात केंद्र में बेकरी, सॉफ्ट टॉयज एवं तकिए निर्माण पर व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षक सुमन ने छात्राओं को विभिन्न उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया, आवश्यक सामग्री, बाजार में उनकी मांग एवं बिक्री के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया।

राजकीय महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय महोत्सव शुरू, करण प्रताप सिंह बोले

युवा कौशल, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ेगे तो भारत फिर से विश्वगुरु बन जाएगा

युवा ही भारत की असली ताकत : करण प्रताप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देते हुए छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए करण प्रताप सिंह। फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस मौके पर प्रधानाचार्य जय नारायण गहलावत, ओमपाल सिंह, राजेश कुंडू, रामनिवास, मंगल सिंह, केवल सिंह, रमेश चंद्र, नवीन उचाना सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को जिला युवा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा जिला युवा महोत्सव का शुभारंभ बड़े उत्साह और जोश के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी के पुत्र करण प्रताप सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन महाविद्यालय के सभागार में युवाओं की उमंग, रचनात्मकता और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा।

महोत्सव के तहत विभिन्न विधाओं जैसे लोकनृत्य, लोकगीत, गीत, संगीत, पेंटिंग, कहानी लेखन, विज्ञान प्रदर्शनी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिलेभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी कला तथा प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए करण प्रताप सिंह ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और इसकी असली ताकत इसके युवा हैं। यदि यही युवा शक्ति अपने कौशल, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी तो निश्चित रूप से भारत फिर से विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित होगा। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे इस मंच से प्रेरणा लेकर जीवन में एक संकल्प करें कि वे अपने ज्ञान, प्रतिभा और परिश्रम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और देश को विकसित व आत्मनिर्भर भारत के सपने तक पहुंचाने में योगदान देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानए जींद के प्रधानाचार्य नरेश कुमार पांचाल ने की। उन्होंने कहा कि कहा कि वर्तमान समय कौशल विकास का युग है। आज का युवा यदि अपनी शिक्षा, हुनर और मेहनत को एक निश्चित दिशा में केंद्रित करे तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाता। कार्यक्रम में विभाग के उप निदेशक अनिल कुमार गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवा वर्ग की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

हरियाणवी लोक संस्कृति की छटा दिखी

महोत्सव के दौरान हरियाणा की लोक संस्कृति की छटा भी देखने को मिली। प्रसिद्ध हरियाणवी लोक गायक रामकेश जीवनपुर ने अपनी आवाज में हरियाणा की माटी की खुशबू से भरे गीत प्रस्तुत किए। उनके गीतों ने पूरे पंडाल को झूमने पर मजबूर कर दिया। छात्र व छात्राओं ने उनके सुरों पर थिरकते हुए हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत कर दिया। महोत्सव में लोकनृत्य और गीत, संगीत के माध्यम से हरियाणवी परंपरा और युवा जोश का सुंदर संगम दिखाई दिया। वहीं विभिन्न संस्थानों से आए छात्र व छात्राओं ने अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और राग रंग को जीवंत कर दिया।

मेरा जी लागे सै बाब्यां मैं रै बाब्यां मैं...

कैथल। राजकीय आईटीआई कैथल में सोमवार को जिला युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव के मुख्य अतिथि जिला परिषद के अध्यक्ष कर्मवीर कौल थे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर शुगर मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार तथा प्रसिद्ध उद्योगपति नरेंद्र मिगलानी ने शिरकत की। युवा महोत्सव के दौरान विभिन्न 8 तरह की गतिविधियां करवाई गई। इनमें ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस, ग्रुप फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट, कविता लेखन, कहानी लेखन, निबंध प्रतियोगिता तथा साइंस मेले का आयोजन किया गया। सभी विधाओं में करीब 400 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नृत्य में स्कूल कॉलेज में अन्य युवा क्लब के प्रतिभागियों द्वारा एक से एक बढ़कर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को सुबोधित करते हुए जिला परिषद के अध्यक्ष कर्मवीर कौल कहा कि आज के युवाओं में असीम प्रतिभाषिपी है यदि उसे सही मंच दिया जाए तो वह अपनी प्रतिभा को निखारते हुए उसे आगे ले जा सकते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं को मंच प्रदान होता है तथा उन्हें अपने प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। प्रधानाचार्य सतीश मच्छाल ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों व अधिकारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस तरह के मंच से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधियां भी जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कैथल। जिला परिषद के अध्यक्ष कर्मवीर कौल व अन्य दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

कैथल। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

मार्केट कमेटी के चेयरमैन व वाइस चेयरमैन को करवाया पदग्रहण

कलायत। मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजकिशन काका राणा के साथ वाइस चेयरमैन रिषीपाल सहारण को कुर्सी पर बैठाती पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा।

- कलायत अनाज मंडी में पदग्रहण समारोह उत्साह के साथ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत अनाज मंडी में मार्किट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन राजकिशन काका राणा और वाइस चेयरमैन रिषीपाल सहारण का पदग्रहण समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन में मुख्य मेहमान के तौर पर पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने शिरकत की। विशिष्ट मेहमानों के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी व जिला प्रभारी अमर पाल सिंह राणा उपस्थित रहे। आयोजन में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय किसानों ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया। मंच से नेताओं ने कहा कि मार्किट कमेटी क्षेत्र के किसान, व्यापारी व मजदूरों के हित में अहम भूमिका निभाती है। इसलिए नई टीम से उम्मीद है कि वे पारदर्शिता और जनसेवा के मूल्यों पर कार्य करेंगे। पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है जहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी निष्ठा और परिश्रम के दम पर ऊंचे से ऊंचा पद हासिल कर सकता है। उन्होंने नवनियुक्त चेयरमैन और वाइस चेयरमैन से आग्रह किया कि वे अनाज मंडी से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाएं और सुविधाओं को बेहतर बनाएं। ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में भाजपा हर वर्ग के उत्थान के लिए काम कर रही है। इसी सोच के कारण तीसरी मर्तबा भाजपा सत्ता में है। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि पार्टी संगठन हमेशा जनसेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है।

मौजूद रहे

मार्किट कमेटी चेयरमैन राजकिशन राणा व वाइस चेयरमैन रिषीपाल सहारण के पद ग्रहण समारोह में राज्य बाल संरक्षण आयोग सदस्य सुमन राणा, युवा नेता तुषार ढांडा, कैथल जिंदल हाउस प्रभारी रवींद्र धीमान, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत, नरेंद्र जुलानी खेड़ा, सुशील पांचाल, अनिल मलिक, रमेश ढूंढवा, सचिन शर्मा, पूर्व मंडी प्रधान जयदीप राणा, बृजेंद्र कौलेखां, वीरेंद्र राणा, नीटू राणा, सज्जन कौलेखां, भगवान दास बंसल, अजय प्रताप राणा, राहुल राणा आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

राजौंदः झाड़ियां दे रही हादसों को न्योता

राजौंद। नगर के राजौंद पूंडरी मार्ग व असंध कैथल मार्ग पर सड़क के दोनों और खड़ी झाड़ियां लोगों के लिए दुर्घटना का कारण बन रही है। कई जगह पर तो यह झाड़ियां सड़क की और बिल्कुल झुक कर खड़ी है। जिससे वाहन चालक व पैदल चलने वाले राहगीर काफी परेशान हो चुके है। कई बार सड़क से साथ कच्चे में स्थान न होने के कारण पैदल व साइकिल चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते है। लेकिन संबंधित विभाग का इस ओर कोई ध्यान नही है, जिसे लेकर लोगों में भारी रोष है। इस बारे मदन, हरी पाल, सोमबीर, रामफल, राकेश कुमार, हवा सिंह ने बताया कि इस मुख्य मार्ग पर तो ऐसी स्थिति है कि सड़क की भरम के साथ झाड़ियां बिल्कुल सटी हुई है।

गेहूं से भरा ट्रक चालक लेकर फरार, केस दर्ज

जींद। नरवाना के एक आढ़ती के 425 क्विंटल गेहूं लेकर ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस ने आढ़ती की शिकायत पर ट्रक चालक उत्तर प्रदेश के रसूलपुर निवासी जमीर हसन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नरवाना शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में आर्य रूप नगर निवासी शिव कुमार ने बताया कि वह नरवाना अनाज मंडी में आढ़त का काम करता है। उसे उत्तर प्रदेश के पिलखुआ में 425 क्विंटल गेहूं भेजना था। इसके लिए उसने माई ट्रांसपोर्ट कैथल से संपर्क किया। कैथल से चालक जमीर हसन ट्रक लेकर नरवाना की अनाज मंडी में उसकी दुकान पर पहुंचा।

वॉलीबॉल टूर्नामेंट में किया योगदान

पूंडरी। अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी बलकार सिंह ने अपने पैतृक गांव अभिमन्युपुर (अमीन) में आयोजित स्वर्गीय सुनील कुमार स्मृति वॉलीबॉल टूर्नामेंट में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा में चार चांद लगा दिए। यह टूर्नामेंट स्व. सुनील कुमार की याद में आयोजित किया गया था, जिसमें आसपास के कई गांवों और जिलों की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पहुंचते ही ग्रामीणों और खिलाड़ियों ने बलकार सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों से मिलकर उनके खेल की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच मिलता है।

भाजपा सरकार ने जनता से किया विश्वासघात : रिषिपाल हैबतपुर

अब वक्त आ गया है जनता प्रचार नहीं परिणाम मांगेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश की जनता के साथ अब तक का सबसे बड़ा विश्वासघात किया गया है। चुनावों के दौरान जो वादे किए गए थे, उनमें से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा ने योजनाओं और घोषणाओं के जरिये जनता को भ्रमित करने की राजनीति की ताकि लोग असली मुद्दोंएरोजगारए शिक्षा और सामाजिक न्याय से दूर रहें। रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। रोजगार देने के नाम पर सरकार ने केवल झूठे सपने दिखाए। सीईटी परीक्षा की मीठी गोली देकर युवाओं को आश्वासन पर टाल दिया गया। जबकि हजारों भर्तियां या तो रद्द कर दी गईं या अदालतों में वर्षों से अटकी हुई हैं। उन्होंने कहा कि पढ़े.लिखे नौजवान आवेदन और फाइलों के चक्कर में बूढ़े हो रहे हैं, मगर उन्हें न नौकरी मिलीए न सम्मान। कांग्रेस नेता ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में शिक्षा पूरी तरह राजनीति की भेंट चढ़ चुकी है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी हैए संसाधनों का अभाव है और कॉलेजों में शुरू किए गए नए कोर्स रोजगार से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि फीसों में लगातार वृद्धि कर दी गई है। जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा दूर की कौड़ी बन गई है। शिक्षा अब रोजगार का साधन नही रही बल्कि दिखावे का माध्यम बनकर रह गई है। रिषिपाल हैबतपुर ने परिवार पहचान पत्र योजना को भी जनता को उलझाने वाला कदम बताया।

धान घोटाले की सीबीआई जांच करवाए सरकार : विक्रम

दोषी अधिकारियों व राइस मिलरों पर दर्ज हो मुकदमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भाकियू कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) की हल्का स्तरीय बैठक रविवार को किसान भवन, पूंडरी में जिला अध्यक्ष गुरनाम फरल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में युवा प्रदेशाध्यक्ष विक्रम कसाना एडवोकेट, प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चहल नरड ने विशेष रूप से भाग लिया। संचालन युवा जिलाध्यक्ष विक्रम दुसैण व ब्लॉक प्रधान रणधीर बरसाना ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए विक्रम कसाना ने कहा कि धान के सीजन के दौरान जिला कैथल की मंडियों में सरकारी अधिकारियों व राइस मिलरों की मिलीभगत से फर्जी गेट पास और जे-फार्म काटे गए हैं। बाहर के राज्यों यूपी व बिहार से सस्ते रेट पर धान मंगवाकर हरियाणा की मंडियों और मिलों में मिलाना प्रदेश के किसानों के साथ सीधा धोखा है। सरकार को चाहिए कि सभी राइस मिलों की पारदर्शी तरीके से फिजिकल वेरिफिकेशन करवाए जाए, ताकि असली स्थिति स्पष्ट हो सके। पिछले कई दिनों से भाकियू (चढ़ूनी) कार्यकर्ताओं ने ऐसे ट्रकों को पकड़ा है जो बाहर से धान लेकर आए थे, मगर मार्केट कमेटी व खरीद एजेंसियों के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे साफ है कि यह सब मिलीभगत से हो रहा है। विक्रम कसाना ने चेतावनी दी कि यूनियन जल्द ही जिला उपायुक्त कैथल से मिलकर पूरे मामले की जांच की मांग करेगी, ताकि दोषी अधिकारियों व राइस मिलरों पर कानूनी कार्रवाई और एफआईआर दर्ज हो सके। पूंडरी और ढांड की मंडियों में सबसे बड़ा धान घोटाला है, लेकिन इसकी जांच करे कौन। जिला अध्यक्ष गुरनाम फरल ने कहा कि यह धान घोटाला पूरे प्रदेश में फैला हुआ है और भाकियू (चढ़ूनी) के कार्यकर्ता जांच की मांग उठा रहे हैं। इसके लिए संगठन ने कमेटियां गठित की हैं।

खाद उपलब्ध करवाई जाए

प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चहल ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में डीएपी खाद की भारी किल्लत है। खाद विक्रेता किसानों को जबरन अन्य दवाइयों के साथ डीएपी दे रहे हैं, जिससे किसानों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि गेहूं बुवाई के सीजन को देखते हुए किसानों को पर्याप्त डीएपी खाद तुरंत उपलब्ध करवाई जाए।

एकल पुस्तक मेरी परछाई हिंदी काव्य संग्रह का हुआ विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

लेखक सुनील।

वैदिक प्रकाशन हरिद्वार (उत्तराखंड) द्वारा एक हरियाणवी काव्य संग्रह पुस्तक का ऑनलाइन विमोचन किया गया। जिसका शीर्षक है मेरी परछाई हरियाणवी काव्य संग्रह रहा। इसके लेखक जींद निवासी सुनील सैनी हैं। इस पुस्तक में कुल 109 काव्य रचनाएं शामिल हैं। इससे पहले भी उनकी लिखी एक एकल पुस्तक मेरी परछाई हिंदी काव्य संग्रहद्ध प्रकाशित हुआ था। इस पुस्तक में प्रकाशित मूल रचनाओं में इन्होंने विभिन्न सामाजिक मुद्दों, विषयों, संस्कृति, प्रकृति, किसान, जवान, मजदूर वर्ग आदि विषयों को वर्णित किया है। लेखक सुनील के अनुसार यह पुस्तक हरियाणा के वीर जवानों, किसानों व मजदूर वर्ग को समर्पित है। वहीं काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी की शुरुआत अंजलि सारस्वत ने ईश वंदना व नारी की व्यथा व गीत जिंदा हूं मैं से की। बाल कलाकार कृतिका ने कविता बंदर पढने गया स्कूल, सुनील सैनी ने मेरी परछाई कविता व गीत आजे बतलाउंगा के सै मेरा हरियाणा सुनाया। वरण्या ने समय चक्र, किरण बाला ने मेरी दिल्ली मेरी शान, जोनाकी भट्टाचार्य बनारस ने सरदार वल्लभभाई पटेल विशेष एकता, दिव्यांग बच्चों के लिए कार्य करने वाली संस्था मंथन फाउंडेशन से डा. सविता गोस्वामी ने गुरु पर्व प्रकाशोत्सव, नीतू कुमारी नितुंजलि ने गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती विशेष एकता लेख वाचन किया।

जींद। जवानों को संबोधित करते हुए एसपी कुलदीप सिंह।

एसपी ने किया जनरल परेड का निरीक्षण

जींद। पुलिस लाइन में आयोजितन जनरल परेड का सोमवार को एसपी कुलदीप सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परेड की सलामी ली तथा परेड में शामिल पुलिस अधिकारियों और जवानों की ड्रेस, अनुशासन, परेड की गुणवत्ता एवं शारीरिक फिटनेस का निरीक्षण करते हुए दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत एसपी कुलदीप सिंह ने पुलिस जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस कर्मियों का सशक्त और अनुशासित रहना ही विभाग की पहचान है। जनता के प्रति संवेदनशीलता और कार्य के प्रति ईमानदारी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिस कर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा, समयपालन और जनसेवा की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार का नही बल्कि सेवा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक जींद ने अर्दली रूम में जाकर विभिन्न शाखाओं के कार्यों की समीक्षा की तथा उपस्थित पुलिस कर्मियों की व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याएं सुनी। अधिकांश समस्याओं का समाधान उन्होंने मौके पर ही किया तथा संबंधित शाखाओं को यह निर्देश दिए कि किसी भी कर्मचारी की समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। इसके साथ ही एसपी ने वाहनों की चेकिंग व्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया।

पिरथी के प्रधान बनने पर सीवन वासियों में खुशी की लहर

सीवन। पिरथी सैनी को बधाई देते हुए पाला राम सौदा व सभा के पदाधिकारीगण एवं सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

जिले की अग्रणी सामाजिक संस्था सैनी सभा के रविवार को संपन्न हुए चुनाव में पिरथी सैनी को प्रधान चुना गया। इस चुनाव में पिरथी सैनी ने अपने प्रतिद्वंद्वी पाला राम सैनी को 261 मतों के भारी अंतर से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। पिरथी सैनी की इस ऐतिहासिक जीत की खबर मिलते ही सीवन नगर में खुशी की लहर दौड़ गई। नगरवासियों और समाज बंधुओं ने ढोल नगाड़ों की थाप पर खुशी जाहिर की और एक.दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। सीवन पहुंचने पर सैनी समाज के लोगों के साथ साथ वाल्मीकि शक्ति सभा के जिला प्रधान पाला राम सौदा ने अपने साथियों नत्थू राम चौहान, बलराज बेदी, सतपाल चौहान, शुभम मलिक, राहुल बेदी, दीपक पारचा व सुभाष पारचा के साथ पिरथी सैनी का जोरदार स्वागत किया। नवनिर्वाचित प्रधान पिरथी सैनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लाठी और गंडासियों से हमला कर इनेलो कार्यकर्ता को किया घायल

कैथल। कैथल में इनेलो के प्रदर्शन में शामिल होने के बाद घर लौट रहे एक इनेलो कार्यकर्ता पर कई युवकों ने मिलकर लाठी और गंडासी से हमला कर दिया। हमले में युवक को हाथ, पैरों और शरीर पर काफी चोटें आई हैं। युवक ने हैफेड के एक फिल्ड इंस्पेक्टर संजीव ढुल पर उस पर हमला करवाने का आरोप लगाया है। फिलहाल युवक को एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। हमले में घायल युवक सिरटा के अमित ने बताया कि सोमवार को को वह दोपहर के समय इनेलो के प्रदर्शन से खाली होने के बाद अपने गांव सिरटा में ट्रैक्टर पर सवार होकर जा रहा था। जैसे ही वह करनाल रोड पर महाराजा सूरजमल जाट स्टेडियम के पास पहुंचा तो कुछ युवकों ने आकर उसका रास्ता रोक लिया। उसके बाद सभी ने उस पर गंडासी व लाठियों से हमला कर दिया। युवक ने आरोप लगाया कि यह हमला हैफेड इंस्पेक्टर संजीव ढुल के कहने पर किया गया है, क्योंकि उसने संजीव के खिलाफ सीएम विंडो और अधिकारियों को भ्रष्टाचार संबंधित शिकायत दे रखी है। गबन करने का आरोप पहले वह हैफेड में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। उस समय संजीव ढुल ने लाखों-करोड़ों रुपए का गबन किया है। वह संजीव ढुल के मामलों को लोगों के सामने लाना चाहता है।

कैथल। अस्पताल में घायल अमित।

अबतक 140 एकड़ में हो चुकी है बिजाई

जींद में गन्ने का रकबा बढ़ाने की कवायद तेज

अक्टूबर से फरवरी माह तक होता है बिजाई का उपयुक्त समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद जिले में गन्ने की खेती को बढ़ावा देने की कवायद शुरू हो गई है। वर्ष 2023-24 में शुगर मिल के अधीन लगभग 13 हजार एकड़ में गन्ने की बिजाई हुई थी। जबकि 2024-25 में यह आंकड़ा घट कर 9,641 एकड़ रह गया। वर्तमान 2025-26 सीजन में अब तक 140 एकड़ में ही बिजाई हो पाई है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गन्ने का रकबा बढ़ाने के लिए गन्ने की सिफारिश की गई किस्मों की बिजाई करने वाले किसानों को नर्सरी बीज पर पांच हजार रुपये प्रति एकड़ अनुदान राशि देने का निर्णय लिया है। गन्ना फसल की अनुदानके लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की वेबसाइट पर 31 दिसंबर तक आवेदन करें।

चौड़ी विधि से गन्ने की फसल की बिजाई करें

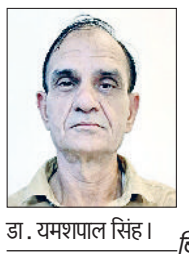

डा. यमशपाल सिंह।

गन्ने की बिजाई का उपयुक्त समय अक्टूबर से फरवरी तक माना जाता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए गन्ना तकनीकि योजना संचालित की जा रही है। विभाग द्वारा 2025-26 में गन्ने की सिफारिश की गई किस्मों की बिजाई करने वाले किसानों को नर्सरी बीज पर पांच हजार रुपये प्रति एकड़, चौड़ी विधि द्वारा गन्ना फसल की बिजाई करने पर तीन हजार रुपये प्रति एकड़, एकल आंख विधि द्वारा बिजाई करने पर तीन हजार रुपये प्रति एकड़ की सहायता राशि दी जाएगी। कृषि विभाग द्वारा गन्ना किस्म सीओ-15023 की बिजाई करने पर पांच हजार रुपये प्रति एकड़ की अनुदान राशि देने का भी प्रावधान है। सीओ-15023 बीज के रूप में अन्य किसानों को बेचने पर संबंधित किसान को पांच हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान राशि मिलेगी।

31 दिसंबर तक अनुदान लेने के लिए करें आवेदन

सहायक गन्ना विकास अधिकारी डा. यमशपाल सिंह ने बताया कि एक किसान किसी एक मद में योजना का लाभ ले सकता है। किसान 31 दिसंबर तक कृषि कल्याण विभाग हरियाणा की वेबसाइट पर आवेदन करें। गन्ना उत्पादक किसान सरकार की योजना का लाभ उठा कर रकबा बढ़ाएं। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे शीघ्र बिजाई करें और अनुदान का लाभ उठाएं।